गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 094
दि. 02.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मयंक शर्मा ने वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवा) का पदभार ग्रहण किया

डॉ. मयंक शर्मा ने 01 अगस्त, 2025 को वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवा) का पदभार ग्रहण कर लिया है। वे भारतीय रक्षा लेखा सेवा के 1989 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने तीन दशक से अधिक लम्बे अपने करियर में रक्षा लेखा महानियंत्रक सहित सरकार के लिए विभिन्न पदों पर सेवाएं दी हैं। डॉ. मयंक शर्मा ने मंत्रिमंडल सचिवालय में अवर सचिव, उप सचिव और संयुक्त सचिव के पद पर भी कार्य किया है।

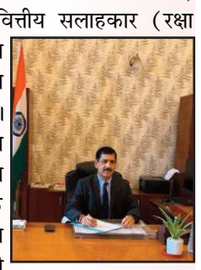

श्री राज कुमार अरोड़ा ने रक्षा लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण किया

श्री राज कुमार अरोड़ा ने 01 अगस्त, 2025 को रक्षा लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण कर लिया है। वे 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा अधिकारी हैं। उन्हें वित्तीय नीति, लेखांकन, लेखा परीक्षा, बजट, खरीद और कार्मिक मामलों के क्षेत्रों में काफी अनुभव है। श्री राज कुमार अरोड़ा ने यूपीएससी में अपर सचिव, रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण कोर में वित्त प्रबंधक (वायु) और वित्त मंत्रालय में निदेशक के रूप में सरकारी सेवा हेतु प्रतिष्ठित पद संभाले हैं। उन्होंने विभिन्न कमानों के साथ-साथ रक्षा लेखा विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में एकीकृत वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है।

बीएसएनएल ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक महीने के लिए मुफ्त 4जी सेवाएं देने के लिए 'फ्रीडम प्लान' पेश किया

भारत की विश्वसनीय सरकारी दूरसंचार कंपनी, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने आज अपना बहुप्रतीक्षित एक सीमित अवधि का 1 रुपए वाला ऑफर, 'फ्रीडम प्लान' लॉन्च किया है, जिसमें उपभोक्ताओं को पूरे एक महीने के लिए बीएसएनएल की 4 जी मोबाइल सेवाओं का इस्तेमाल करने का मौका मिलता है। यह पहल बीएसएनएल द्वारा भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुरू की गई है और ये नागरिकों को भारत की स्वदेशी रूप से विकसित 4जी तकनीक का बगैर किसी शुल्क के अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

बिहार में प्रारूप मतदाता सूची आज जारी कर दी गई है

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के पहले चरण(गणना चरण) के सफल समापन के उपरांत आज दिनांक 1 अगस्त, 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यह सूची

ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है, साथ ही बिहार के सभी 38 DMs ने सभी 243 विधान सभा क्षेत्रों के सभी 90,712 बूथों की प्रारूप मतदाता सूची भी सभी राजनैतिक दलों से आज 1 अगस्त को साझा कर दी गई है ।

मुख्य बिंदुः चुनाव आयोग का अतुलनीय, पारदर्शी एवं निष्पक्ष टीम वर्क की मिसालः हर गाँव, हर वार्ड, हर घर तक पहुँचने तथा प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के प्रयासों के अंतर्गत बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (CEO)।

प्रधानमंत्री मोदी का 51वां काशी दौरा, 52 प्रोजेक्ट करेंगे लॉन्च, किसानों को देंगे 20,500 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे, जहां वो करीब 2,183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. रक्षाबंधन से पहले सावन के महीने में उनका यह दौरा पूर्वांचल के विकास को नई गति देगा.

जिन परियोजनाओं का पीएम शिलान्यास करेंगे उसमें सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और शहरी विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं. इनमें सड़क चौड़ीकरण, अस्पतालों का उन्नयन, शैक्षणिक संस्थानों का विस्तार, पेयजल और सफाई योजनाएं, खेल आधारभूत ढांचे का विकास, होम्योपैथिक कॉलेज की स्थापना, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए घाटों का निर्माण, विद्युत और पार्किंग सुविधाएं, तालाबों का पुनर्निर्माण और पुस्तकालय, पशु चिकित्सालय और डॉग केयर सेंटर शामिल हैं.

पीएम मोदी इस अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी करेंगे, जिसके तहत देशभर के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए जाएंगे. इसके साथ ही दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे.

सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बनौली (कालिका धाम) गांव में विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी,

जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे. बीजेपी का दावा है कि इस सभा में 50,000 से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं. महिलाओं, किसानों, बुद्धिजीवियों, मीडिया और विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए हैं.

सुबह 10 बजे वाराणसी पहुंचेंगे पीएम मोदी

यह प्रधानमंत्री मोदी का काशी का 51वां दौरा होगा. वो सुबह 10 बजे के आसपास लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर से जनसभा स्थल जाएंगे. इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें रिसीव करेंगे. वाराणसी में इस दौरे को लेकर जबरदस्त तैयारियां की जा रही हैं. शहर भर में 1,000 से अधिक होर्डिंग्स, भाजपा के झंडे और स्वागत तोरण द्वार लगाए गए हैं.

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में आयोजित 'मेघालय अनानास महोत्सव-2025'में शामिल हुए

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज दिल्ली में आयोजित 'मेघालय अनानास महोत्सव-2025'में शामिल हुए। इस अवसर पर मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड के. संगमा सहित केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में अनानास से संबंधित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने 'कृषि क्षेत्र में मेघालय की प्रगति'से जुड़ी एक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेघालय के अनानास स्वाद और गुणवत्ता की दृष्टि से विशिष्ट हैं। मेघालय के किसान, वहां के लोग ईमानदारी से अथक प्रयास कर रहे हैं, जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। चाहे फल हो, मसाले हो, हल्दी, अदरक, कॉफी, चाय, कटहल, मशरूम या अन्य विभिन्न कृषि उत्पाद, सभी की गुणवत्ता उच्च और अद्भुत है। मेघालय के अधिकतर उत्पाद जैविक हैं, जिनका प्रमोशन किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के उत्पादों के राज्य से बाहर और विदेशों में निर्यात के लिए केंद्र सरकार, राज्य के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगी। इस काम में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका भी अहम है और यह प्रसन्नता की बात है कि राज्य सरकार समझौता ज्ञापन के माध्यम से इस दिशा में बल दे रही है। आगे, श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं । कृषि के साथ-साथ सभी विकास कार्यों में केंद्र सरकार द्वारा मेघालय की पूरी मदद की जाएगी।

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी पहुंचे वाराणसी, काशी विश्वनाथ के किए दर्शन

वाराणसी (जीएनएस)।

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी पहुंचे वाराणसी, काशी विश्वनाथ के किए दर्शन गौरतलब है कि पीएम नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं. ऑपरेशन सिंदूर के बाद वे पहली बार अपने वोटरों के बीच होंगे. इसलिए बीजेपी कार्यकताओं ने भी उनके स्वागत की जबरदस्त तैयारी की है. करोड़ों रुपयों के परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ ही पीएम मोदी काशी में एक जनसभा भी करेंगे. वाराणसी रवाना होने से पहले उन्होंने देश के नाम एक संदेश भी जारी किया है. सोशल मीडिया में पीएम ने लिखा है काशी के मेरे परिवारजनों के लिए कल 2 अगस्त का दिन बहुत विशेष है. सुबह करीब 11 बजे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्पोर्ट्स, टूरिज्म और कनेक्टिविटी से जुड़े कई

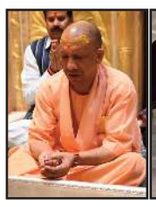

प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा. इस अवसर पर पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करने का भी सौभाग्य मिलेगा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे में कोई कमी न रहे इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ जुटे हुए हैं. वे शुक्रवार को ही काशी पहुंच गए. सीएम योगी ने देर शाम काल भैरव और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया. यह उनकी सावन मास में बाबा विश्वनाथ के दरबार में तीसरी बार हाजिरी रही. इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की. सीएम योगी शनिवार को प्रधानमंत्री की वाराणसी एयरपोर्ट पर अगवानी करेंगे. इसके पहले वह उनके कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह वाराणसी के सेवापुरी ब्लॉक के बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे.

राष्ट्रपति ने आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज (01 अगस्त, 2025) झारखंड के धनबाद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद की लगभग 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत है। इसकी स्थापना खनन और भूविज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार करने के लिए की गई थी। समय के साथ, इसने अपने शैक्षणिक सीमाओं का विस्तार किया है और अब विविध क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और अनुसंधान का एक अग्रणी केंद्र बन गया है। इस संस्थान ने प्रौद्योगिकीय विकास और नवोन्मेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि आईआईटी धनबाद ने एक ऐसा इको सिस्टम विकसित किया है जहां शिक्षा और नवोन्मेषण का उद्देश्य लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि देश के समग्र विकास में आईआईटी-आईएसएम की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्कृष्ट इंजीनियरों और शोधकताओं को तैयार करने के अतिरिक्त, इस संस्थान का उद्देश्य संवेदनशील, उद्देश्यपूर्ण और सहानुभूतिशील पेशेवर भी तैयार करना हैं। हमारे देश का भविष्य आईआईटी-आईएसएम जैसे संस्थानों की प्रतिबद्धता से आकार ले रहा है, जो अत्याधुनिक अनुसंधान और नवोन्मेषण को बढ़ावा दे रहे हैं और प्रतिभाशाली युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश और विश्व जलवायु परिवर्तन और संसाधनों की कमी से लेकर डिजिटल व्यवधान और सामाजिक असमानता तक, कई जटिल और तेजी से बदलती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में, आईआईटी-आईएसएम जैसे संस्थान का मार्गदर्शन और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आईआईटी-आईएसएम से नए और स्थायी समाधान खोजने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका विशाल मानव संसाधन है। तकनीकी शिक्षा तक बढ़ती पहुंच और डिजिटल कौशल का प्रसार भारत को एक प्रौद्योगिकीय महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। भारत की शिक्षा प्रणाली को अधिक व्यावहारिक, नवोन्मेषण -केंद्रित और उद्योग-अनुकूल बनाने से देश के युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा मिलेगी और वे वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ सकेंगे।उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के साथ-साथ पेटेंट संस्कृति को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

छात्रों में समग्र सोच विकसित करने और जटिल समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजने के लिए, शिक्षा में अंतःविषयक दृष्टिकोण अपनाना भी अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रपति ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने ज्ञान को केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनकल्याण का माध्यम बनाएं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग एक अधिक सशक्त और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण में करें - जहां प्रगति के अवसर सभी के लिए उपलब्ध हों। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान का उपयोग एक हरित भारत के निर्माण में करें - जहां विकास प्रकृति की कीमत पर नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य बिठाकर हो।

उन्होंने कहा कि भविष्य में वे जो भी करें, उसमें उनकी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ उनकी सहानुभूति, उत्कृष्टता और नैतिकता भी झलकनी चाहिए। केवल नवोन्मेषण ही नहीं, बल्कि करुणा से प्रेरित नवोन्मेषण विश्व को बेहतर बनाता है।

रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा सशस्त्र बलों को दिया गया असाधारण बैक-एंड समर्थन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की कुंजी थाः रक्षा मंत्री

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज के अनिश्चित समय में सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए नागरिक और सैन्य कर्मियों के बीच तालमेल बढ़ाने का आ'ान किया है। उन्होंने रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा सशस्त्र बलों को प्रदान किए गए असाधारण बैक-एंड समर्थन को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की कुंजी बताया। वे 1 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में 84वें सशस्त्र बल मुख्यालय नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि युद्ध सिर्फ सेना द्वारा नहीं, बल्कि पूरे देश द्वारा लड़ा जाता है और आज के तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में, बदलती जरूरतों के अनुसार निरंतर सुधार करते हुए, मजबूती और नवीनता की भावना के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा,

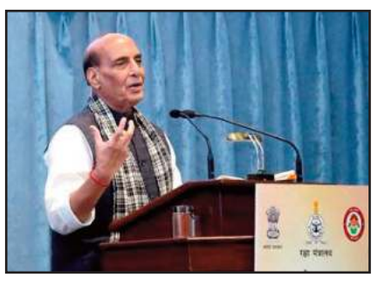

"हम जरा सी भी लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ सकते।"

एक मजबूत सैन्य शक्ति के लिए एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के अनिवार्य होने पर जोर देते हुए श्री राजनाथ सिंह ने युद्ध और शांति काल दोनों में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने के लिए वायुसेना मुख्यालय नागरिक सेवाओं की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा, "वायुसेना मुख्यालय सेवाएं रक्षा मंत्रालय के लिए एक संस्थागत स्मृति के रूप में कार्य करती हैं। यह प्रशासन में स्थिरता, क्षेत्र विशेषज्ञता और एकरूपता प्रदान करती है, साथ ही नीतिगत निरंतरता और नागरिक-सैन्य तालमेल स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक आधुनिक और एकीकृत राष्ट्रीय रक्षा प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ है।"

रक्षा मंत्री ने क्षमता विकास पर जोर देते हुए वायुसेना मुख्यालय के अधिकारियों से प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन के क्षेत्र में अन्य मंत्रालयों और देशों में अपने समकक्षों द्वारा अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रणालियों का आकलन करने और उन्हें अपनाने का आग्रह किया।

वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर, एवीएसएम, एनएम, ने कार्मिक सेवा नियंत्रक के रूप में कार्यभार संभाला

(जीएनएस)।

वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर, एवीएसएम, एनएम ने 31 जुलाई 2025 को कार्मिक सेवा नियंत्रक (सीपीएस) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने पर, फ्लैग ऑफिसर ने नई दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीएडीएम सीआर प्रवीण नायर को 01 जुलाई, 1991 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया था। एक सर्फेस वॉरफेयर ऑफिसर के रूप में वह संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने तीन दशकों से अधिक के अपने प्रतिष्ठित नौसैनिक करियर में कई तरह की कमान, प्रचालनगत और स्टाफ नियुक्तियां की हैं। फ्लैग ऑफिसर के विशि ट कार्यकाल आईएनएस कृष्णा, कोरा और मैसूर पर रहे। उन्होंने फ्लीट इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर ऑफिसर और उसके बाद पश्चिमी बेड़े के फ्लीट कम्युनिकेशंस ऑफिसर के रूप में कार्य किया। फ्लीट कम्युनिकेशन ऑफिसर के रूप में, जुलाई 2006 में इजरायल-लेबनान युद्ध के दौरान

बेरूत से भारतीय नागरिकों की गैर-संघर्षपूर्ण निकासी में उनकी भूमिका के लिए उन हें नौसेनाध्यक्ष की प्रशंसा से सम्मानित किया गया था।

फ्लैग ऑफिसर ने मिसाइल कोर्वेट आईएनएस किर्च, गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस चेन्नई और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाली है। उनकी ऑफशोर नियुक्तियों में प्रतिष्ठित नेवल वॉर कॉलेज, गोवा में डायरेक्टिंग स्टाफ, सिग्नल स्कूल में ऑफिसर-इन-चार्ज और नौसेना मुख्यालय के कार्मिक निदेशालय में कमोडोर (कार्मिक) के पद शामिल हैं। वे तीन वर्षों से अधिक समय तक भारतीय नौसेना के प्रमुख थिंक टैंक, भारतीय नौसेना सामरिक एवं परिचालन परिषद (आईएनएसओसी) के सदस्य भी रहे हैं।

वे डीएसएससी, वेलिंगटन और यूएस नेवल वॉर कॉलेज, न्यूपोर्ट, अमेरिका के पूर्व छात्र हैं। यूएस नेवल वॉर कॉलेज में नौसेना कमान पाठ्यक्रम के दौरान, फ्लैग ऑफिसर को प्रतिष्ठित रॉबर्ट ई. बेटमैन अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, वाइस एडमिरल जेम्स एच. डॉयल, सैन्य संचालन और अंतर्राष्ट्रीय कानून पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। फ्लैग ऑफिसर ने मुंबई विश्वविद्यालय से रक्षा और सामरिक अध्ययन में एम.फिल. की उपाधि भी प्राप्त की है।

सम्पादकीय

संसद में पीएम मोदी के भाषण में आपरेशन सिंदूर पर बहुत सारे सवालों के जवाब मिले

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर कई घंटे की लंबी बहस हुई। बहस न केवल स्वस्थ सार्थक और जीवंत रही बल्कि इसने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को उसके बेहतर ढंग में देश के सामने रखा। खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत–पाकिस्तान संघर्ष के दौरान सीजफायर को लेकर मध्यस्थता वाले दावों को सिरे से खारिज कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और न ही करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हालांकि 30 बार से ज्यादा दोहरा चुके हैं कि उन्होंने सीजफायर कराया। पीएम ने ट्रंप का नाम लिए बिना इन दावों को निराधार बताया था। पीएम मोदी के भाषण में बहुत सारे सवालों के जवाब तो मिले पर बहुत सारे सवालों के जवाब नहीं मिले। सरकार ने इसका संतोषजनक जवाब नहीं दिया कि सीजफायर क्यों रोका गया? सवाल है कि जब पाकिस्तान घुटनों पर था, तब सीजफायर किन शर्तो पर और किसके कहने पर किया गया? देश तो चाहता था कि जब भारत का पलड़ा भारी था तो हमें रुकना नहीं चाहिए था और पीओके पर कब्जा कर लेना चाहिए था पर हम अचानक रुक गए। वहीं हमने पाकिस्तान को यह भी बता दिया कि हमने केवल आतंकी ठिकानों पर हमला किया है हमने पाकिस्तानी सेना और डिफेंस सिस्टम पर हमला नहीं किया। इसका नतीजा यह हुआ कि हमारी ही जमीन पर हमारे ही विमान गिराने में पाकिस्तान सफल रहा। राज्यसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष ने पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक पर सवाल उठाया जिसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। खरगे ने जम्मू–कश्मीर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के बयान का हवाला देते हुए सरकार पर हमला बोला। मनोज सिन्हा ने स्वीकार किया कि आतंकी हमले की वजह हमारी चूक थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या सिन्हा का बयान किसी को बचाने के लिए था? हमले की किस–किस ने जिम्मेदारी ली? किसने इस्तीफा दिया? प्रियंका गांधी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद किसी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की यानि पूरी दुनिया ने भारत को पाकिस्तान की बराबरी पर रखा। सरकार ने जवाब में कहा कि पाकिस्तान के साथ सिर्फ तीन देश खड़े थे और दुनिया के कई देशों ने आतंकी हमले की निंदा की। बेशक, इस पर किसी ने भी पाकिस्तान को पहलगाम हमले का दोषी नहीं माना। क्या यह हमारी विदेश नीति का पदार्फाश नहीं करती? सारी दुनिया जानती है कि भारत–पाक संघर्ष में पाकिस्तान तो महज मखौटा था। असल ताकत तो चीन की थी। हम पाकिस्तान से अकेले नहीं लड़ रहे थे, बल्कि पाक–चीन गठजोड़ से लड़ रहे थे। तमाम बहस में सरकार ने एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया जबकि हमारी सेना ने साफ कहा कि चीन–पाकिस्तान को हथियार दे रहा है और चीन सैन्य उपकरणों के कारण ही भारत के विमान गिरे। इन पर सरकार ने एक शब्द नहीं कहा और न ही एक शब्द चीन द्वारा पाकिस्तान को दी जा रही मदद पर कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूं ही नहीं दावा किया था कि भारत–पाक संघर्ष के दौरान 5 लड़ावू विमान मार गिराए गए थे, हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस देश के कितने विमान गिराए गए। इससे पहले पाकिस्तानी भी भारत के 5 लड़ावू विमान मार गिराने का दावा कर चुके हैं। हालांकि भारत ने इसे खारिज किया है। भारत की तुलना में पाकिस्तान के साथ ज्यादा देश क्यों? भारत–पाक संघर्ष के दौरान तुर्विए, अजरबैजान और चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था, जबकि भारत के पक्ष में केवल इजरायल स्पष्ट रूप से नजर आया। यहां तक कि रूस ने भी भारत को खुलकर समर्थन नहीं किया। इस मुद्दे पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र में 193 देश हैं और सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। ब्रिक्स प्रांस, रूस और जर्मनी.. कोई भी देश का नाम ले लीजिए, दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला। पूरी बहस में एक महत्वपूर्ण मुद्दा कपिल सिब्बल ने भी उठाया। पूर्व वेंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने देश की रक्षा तैयारियों पर भी सवाल खड़े किए।

चिकित्सा क्षेत्र में आयुष का योगदान

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय (एमओए) ने एक सुस्थापित संस्थागत ढांचे के माध्यम से निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा और पेशेवर अभ्यास का विनियमन दो वैधानिक आयोगों, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा–रिग्पा हेतु "भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय आयोग" और "होम्योपैथी के लिए राष्ट्रीय आयोग" के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय ने 12 राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों की स्थापना की है जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैदानिक सेवाओं और आउटरीच को एकीकृत करके चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। वे एनएबीएच/ एनएबीएल (अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड/ परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) मान्यता प्राप्त अस्पतालों के माध्यम से ओपीडी/ आईपीडी (बा' रोगी विभाग/अंतरोगी विभाग) सेवाएं प्रदान करते हैं और देश भर में स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान और समुदाय–आधारित पहल का आयोजन करते हैं।

आयुष प्रणालियों के वैज्ञानिक सत्यापन और विकास को पांच स्वायत्त अनुसंधान परिषदों द्वारा समर्थन दिया जाता है, अर्थात केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), और केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन)

सीसीआरएएस, सीसीआरयूएम और सीसीआरएच अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से ओपीडी और आईपीडी सेवाएँ प्रदान करते हैं और आउटरीच कार्यक्रम चलाते हैं – सीसीआरएएस के अंतर्गत 30 संस्थान, सीसीआरयूएम के अंतर्गत 21 संस्थान और सीसीआरएच के अंतर्गत 6 उपचार केंद्रों वाली 27 इकाइयाँ। इन पहलों में अनुसूचित जाति उप योजना, जनजातीय स्वास्थ्य सेवा, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और मोबाइल नैदानिक अनुसंधान शामिल हैं, जो देश भर में आयुष स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और सुगमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, सीसीआरएस 9 परिधीय संस्थानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है, ज ब ा ि क सीसीआरवाईएन 8 संस्थानों, 10 वेलनेस केंद्रों और 10 माइंड–बॉडी इंटरवेंशन केंद्रों का संचालन करता है, जो देश भर में समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देते हैं।

आयुष गुणवत्ता–आश्वस्त आयुष औषधियों के निर्माण के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) का भी प्रबंधन करता है और एक अधीनस्थ कार्यालय, भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के लिए फामाकीपिया आयोग, जो औषधि मानकीकरण के लिए जिम्मेदार है और एक केंद्रीय शीर्ष प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करता है।

आयुष मंत्रालय राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की एक केन्द्र प्रायोजित योजना को भी क्रियान्वित कर रहा है और उनके द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के विरुद्ध एनएएम दिशानिदेर्शों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में आयुष उपचार सुविधा प्रदान करने के उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है।

एएसयूएंडएच (आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) औषधियों से संबंधित मामले औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम, 1945 के अंतर्गत शासित होते हैं।

आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आयुष मंत्रालय ने चिकित्सा मूल्य यात्रा में भारत की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से देश के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्र के लिए चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन ने आयुष– आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा के विस्तार के लिए राज्य सरकारों, उद्योग जगत के दिग्गजों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया।

सरकार ने आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत उपचार प्राप्त करने के लिए भारत आने वाले विदेशियों और उनके परिचारकों (पाकिस्तानी नागरिक को छोड़कर) के लिए 27 जुलाई, 2023 को आयुष वीजा की एक अलग श्रेणी शुरू की है।

गृह मंत्रालय द्वारा संचालित मेडिकल और आयुष वीजा पोर्टल, वैध विदेशी मरीजों के प्रवेश को सुव्यवस्थित और विनियमित करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल अधिकृत अस्पताल ही पूर्व– मान्य मेडिकल वीजा के माध्यम से वास्तविक मरीजों को इलाज के लिए आमंत्रित करें। यह पोर्टल पंजीकृत अस्पतालों/वेलनेस केंद्रों को मेडिकल वीजा, मेडिकल अटेंडेंट वीजा और आयुष अटेंडेंट वीजा के लिए मेडिकल वीजा आमंत्रण पत्र और विस्तार पत्र बनाने की अनुमति देता है। भारत में संचालित अस्पताल/ वेलनेस केंद्र इस पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं और गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन कर सकते हैं। इस पोर्टल को निम्नलिखित यू आर एल पर के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है:

आयुष मंत्रालय, संरचित क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आयुष क्षेत्र में कुशल कार्यबल को सुदृढ़ और प्रशिक्षित करने के साथ–साथ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए कई पहल कर रहा है। इन पहलों का विवरण अनुलग्नक क में संलग्न है।

अनुलग्नक क

आयुष क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा की गई पहलों और घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का विवरण:

क. आयुष मंत्रालय ने 2021–22 से 'आयुर्ज्ञान' नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना लागू की है, जिसमें आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा पर एक प्रमुख घटक शामिल है। इस घटक के अंतर्गत, देश भर के पात्र संगठनों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करने हेतु सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य आयुष कर्मियों को आवश्यकता–आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना और नैदानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में ज्ञान के अंतराल को पाटना है।

ख. आयुष मंत्रालय ने आयुष के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी योजना) विकसित की है। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय भारतीय आयुष औषधि निमार्ताओं/ आयुष सेवा प्रदाताओं को आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु सहायता प्रदान करता है। यह योजना आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार, विकास और मान्यता को सुगम बनाती है; हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा देती है; और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, यह योजना विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना और प्रशिक्षण कार्यशालाओं/ संगोष्ठियों के आयोजन के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देती है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता और रुचि को बढ़ाना है।

ग. सीसीआरएएस विभिन्न पहलों के माध्यम से आयुष अनुसंधान के क्षेत्र में क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है, जैसेः –

स्नातक आयुर्वेद छात्रों के बीच अनुसंधान योग्यता को बढ़ावा देने के लिए स्पार्क (आयुर्वेद अनुसंधान केन के लिए छात्र कार्यक्रम);

पीजी स्टार (स्नातकोत्तर विद्वानों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान में प्रशिक्षण योजना) का मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत आयुर्वेद छात्रों में अच्छी गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देना और साथ ही बड़े शोध के लिए उनके शोध कार्य की दृश्यता और पहुंच में सुधार करना है।

उन्नत शैक्षणिक अनुसंधान का समर्थन करने के लिए पीएचडी और पोस्ट–डॉक्टरल फेलोशिप कार्यक्रम;

प्रयत्न का उद्देश्य आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातकोत्तर (पीजी) और डॉक्टरेट (पीएचडी) विद्वानों के बीच वैज्ञानिक लेखन कौशल को विकसित करना और बढ़ाना है;

एआरएमएस (आयुर्वेद अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी) प्रशिक्षण, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद विद्वानों के लिए अनुसंधान पद्धति और बायोस्टैटिक्स में आधार तैयार करना है।

घ. आयुष चिकित्सकों की क्षमता बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत आयुष वर्टिकल ने 13–17 मई 2024 के दौरान सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों (एसटीजी) पर केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी), डीजीएचएस के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर मास्टर प्रशिक्षण आयोजित किया है, ताकि सभी उपयोगकर्ताओं तक उनका प्रभावी प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।

ङ. आयुष मंत्रालय की ओर से भारतीय औषधि एवं होम्योपैथी के लिए फामाकीपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) औषधि नियामक प्राधिकरणों, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं (औषधि विश्लेषकों) आदि को एएसयूएंडएच (आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयोगशाला तकनीकों और विधियों पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

च. इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में आयुष पेशेवरों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय आयुष संस्थानों और अनुसंधान परिषदों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

यह जानकारी केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने निर्बाध और समावेशी डिजिटल बैंकिंग के लिए आधार के माध्यम से पहचान प्रमाणन की शुरूआत की

(जीएनएस)।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने ग्राहक लेनदेन के लिए आधार के माध्यम से पहचान प्रमाणन सुविधा की राष्ट्रव्यापी शुरूआत की घोषणा की है – यह एक सफल पहल है। इसका उद्देश्य बैंकिंग को अधिक सुरक्षित, समावेशी और सुविधाजनक बनाकर प्रत्येक नागरिक, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को सशक्त बनाना है।

यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) के ढांचे के अंतर्गत विकसित फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा ग्राहकों को बैंकिंग लेनदेन में सक्षम बनाती है, जिससे फिंगरप्रिंट या ओटीपी जैसे बायोमेट्रिक इनपुट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इसके साथ, आईपीपीबी बैंकिंग को अधिक सुलभ, समावेशी और ग्राहक–केंद्रित बनाकर "आपका बैंक, आपके द्वार" के अपने मिशन को सार्थक बनाता है।

इस अवसर पर आईपीपीबी के एमडी और सीईओ, श्री आर विश्वेश्वरन ने कहा, "आईपीपीबी में हमारा मानना है कि बैंकिंग न केवल सुलभ होनी चाहिए, बल्कि सम्मानजनक भी होनी चाहिए। आधार–आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के साथ, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट या ओटीपी सत्यापन की सीमाओं के कारण कोई भी ग्राहक सुविधाओं का लाभ लेने से वंचित न रह जाए। यह केवल एक तकनीकी विशेषता नहीं है; यह बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन को पुनर्परिभाषित करने की दिशा में एक कदम है।"

आईपीपीबी की फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा के मुख्य लाभः

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और उंगलियों के निशान मिट जाने वाले व्यक्तियों के लिए समावेशी बैंकिंग।

ओटीपी या फिंगरप्रिंट सेंसर पर निर्भरता के बिना सुरक्षित आधार प्रमाणीकरण।

ग्राहकों की सुगमता के लिए तीव्र और संपर्क रहित लेनदेन।

जोखिमपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों के दौरान सुरक्षित बैंकिंग।

खाता खोलना, शेष राशि की जांच, निधि अंतरण और उपयोगिता भुगतान सहित सभी बैंकिंग सेवाओं के लिए उपयुक्त।

आईपीपीबी फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा का शुभारंभ भारत सरकार के डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन मिशन के अनुरूप है। यह सुविधा तकनीक का उपयोग करके समानता, पहुंच और सशक्तिकरण के मूल्यों को बनाए रखने के लिए मानक स्थापित करती है।

आईपीपीबी अपने सभी ग्राहकों को विशेषकर उन ग्राहकों को जिन्हें फिंगरप्रिंट–आधारित प्रमाणीकरण में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, इस नई सुविधा की सरलता का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के बारे में

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) की स्थापना डाक विभाग, संचार मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार की शत–प्रतिशत प्रतिभूति के साथ की गई है।

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) एकीकृत पोर्टल लॉन्च करने की तैयारी

(जीएनएस)।

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) अपने एकीकृत पोर्टल के परीक्षण के अंतिम चरण में है। यह एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे दावा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निवेशकों व कंपनियों, दोनों के लिए पहुँच बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोर्टल प्रमुख हितधारकों, जिसमें डिपॉजिटरी और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) शामिल हैं, उन्हें एकीकृत करेगा, ताकि एक सहज और कुशल अनुभव प्रदान किया जा सके।

कंपनियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने और दावा प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए, नियम 1(ए) के तहत सार्वजनिक नोटिस, आधिकारिक आईईपीएफए वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन नोटिसों में उन कंपनियों से आग्रह किया गया है, जिन्होंने अभी तक अपने आईईपीएफ–1/7 एसआरएन और निर्धारित एक्सेल टेम्पलेट अपलोड नहीं किए हैं, कि वे इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरी करें। निर्बाध दावा प्रक्रिया के लिए समय पर अनुपालन जरुरी है।

इसके साथ ही, आईईपीएफए, एक सरल और दावों को तेजी से निपटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए, कम मूल्य के दावों हेतु दस्तावेजीकरण की जरुरतों की व्यापक समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, अपनी शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने के लिए, आईईपीएफए एक एकीकृत कॉल सेंटर भी शुरू कर रहा है, जो अधिक कुशल, उत्तरदायी और हितधारकों के अनुकूल संचार व्यवस्था प्रदान करेगा।

इन तकनीकी और प्रक्रियात्मक अपग्रेड के दौरान, कुछ छोटे अस्थायी व्यवधान भी उत्पन्न हो सकते हैं। आईईपीएफए किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है और एक अधिक मजबूत और निवेशक–केंद्रित व्यवस्था के निर्माण की दिशा में हितधारकों के निरंतर सहयोग की उम्मीद करता है।

आईईपीएफए के बारे में

भारत सरकार के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन कार्यरत, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए), बिना दावे वाले शेयरों और लाभांशों की वापसी की सुविधा प्रदान करके और देश भर में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए समर्पित है। निवेशक दीदी, निवेशक पंचायत और निवेशक शिविर जैसी प्रमुख पहलों के जरिए, आईईपीएफए लोगों को सूचित वित्तीय फैसले लेने में सक्षम बनाता है और वित्तीय रूप से जागरूक नागरिकों को प्रेरित करता है।

शहनाज हुसैन के सौन्दर्य टिप्स

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपके पास एक स्किनकेयर रूटीन होना चाहिए जो स्वयं की देखभाल करने में सक्षम हो।यह आवश्यक है कि आप सीटीएम या क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग जैसी बुनियादी चीजों से शुरूआत करें।याद रखें कि आपको सबसे पहले अपनी त्वचा को उन उत्पादों को सक्षम बनाने के लिए तैयार करना होगा जिन्हें आप उपयोग करने जा रहे हैं।

- एक सौम्य फेसवॉश से अपनी त्वचा को साफ करने से शुरू करें
- फिर मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने के लिए अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट या स्क्रब करें
- अब एक स्किन टोनर का उपयोग करें जो त्वचा को कसने में मदद करेगा
- और तीसरे चरण में आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करने की आवश्यकता होती है।
- इस स्किन केयर रूटीन का पालन करें और अपनी त्वचा पर सप्ताह में दो बार स्क्रब का उपयोग करना याद रखें, आप ताजा और चमकती त्वचा के साथ अंतर देखेंगे।

2. ---------- प्रत्येक मौसम के लिए विशिष्ट स्किनकेयर रूटीन की आवश्यकता होती है, इस कारण से पर्यावरण और मौसम की स्थिति में बदलाव के साथ अपनी स्किन केयर रूटीन को बदलना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए,

- जब मौसम शुष्क हो तो आप को पानी, ताजे फलों के रस और हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर और क्रीम या स्किन सीरम पीकर अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखना चाहिए।
- नमी वाले महीनों के दौरान, आपको हल्का मेकअप, मैटिफाइंग मॉइस्चराइजर का उपयोग करना चाहिए और सप्ताह में दो बार अपनी त्वचा को स्क्रब करना चाहिए।पूरे दिन अपनी त्वचा को तरोताजा रखने के लिए ब्लॉटिंग पेपर या स्किन वाइप्स का इस्तेमाल करें।
- आपको मौसम की स्थिति की परवाह किए बिना हर दिन सनस्क्रीन का उपयोग करना याद रखना चाहिएक्योंकि आपको अपनी त्वचा को टैनिंग, समय से पहले बूढ़ा होने और सनबर्न से बचाना चाहिए, यूवी किरणें आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हैं इसलिए मैं इसे पूरेसाल अपने चेहरे और खुली त्वचा पर लगाने की सलाह देती हूँ।

3 ------ त्वचा की देखभाल की दिनचर्या के लिए आपको 10 वर्ष की आयु से ही शुरूआत कर देनी चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी आप शुरूआत करेंगे, आपकी त्वचा के लिए उतने ही अच्छे परिणाम मिलेंगे।हालाँकि , यदि आप जानना चाहते हैं कि किस उम्र में सौंदर्य प्रसाधन या मेक अप का उपयोग शुरू करना चाहिए, तो मेरा सुझाव है कि 14 वर्ष की आयु से पहले ऐसा न करें।मेरी सलाह है कि अपनी त्वचा पर मेकअप या रासायनिक सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग करने के बजाय, आयुर्वेदिक त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करें जो आपकी त्वचा की गुणवत्ता को बढ़ाएंगे।

4. ------40 की उम्र के बाद आपकी त्वचा को भरपूर मात्रा में नमी की जरूरत होती है क्योंकि यह वह उम्र है जब आपकी त्वचा अपनी नमी तेजी से खो देतीहै।मेरा सुझाव है कि:

- त्वचा को नमी देने वाले सीरम , हाइड्रेटिंग क्लींजर, हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना शुरू करें।
- अपनी त्वचा को सप्ताह में तीन बार हर दूसरे दिन हल्के एक्सफोलीएटिंग साफ करना न भूलें ताकि आपकी त्वचा की कोशिकाएं फिर से जीवित हो जाएँ और आप तरोताजा दिखें।
- इसके अलावा, अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए रोजाना सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

आपकी रात की दिनचर्या में मेकअप हटाना, त्वचा साफ करना, त्वचा को एक्सफोलिएट करना, फिर स्किन सीरम, नाइट क्रीम लगाना और अपनी आँखों के नीचे जेल लगाना शामिल होना चाहिए। 40 के बाद आपकी आँखों के नीचे की त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है।

5. उम्र बढ़ने पर महिलाओं को त्वचा की देखभाल करने के लिए सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग के इलावा क्या करना चाहिए ?

40 के बाद एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाना बहुत जरूरी है जो आपकी त्वचा की देखभाल के लिए सहायक हो, क्योंकि एक के बिना दूसरे का कोई मतलब नहीं रहजाता।

- मैं तनाव मुक्त जीवन जीने का सुझाव देती हूँ, ध्यान, माइंडफुलनेस और योग जरूरी है।मौसमी फलों और सब्जियों का रोजाना सेवन करने जैसी स्वस्थ खाने की आदतें अपनाएँ।
- एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें जो त्वचा के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करेंगे जैसे कि बेरीज, पालक, सेब, अंगूर।
- अखरोट, सूरजमुखी के बीज, बादाम और तिल जैसे मेवे औरबीज।
- कैफीन युक्त पेय और शराब से बचें, इसके बजाय बिना चीनी वाली ग्रीन टी पिएँ।
- पर्याप्त आराम करें, मतलब है कि आपकी त्वचा और स्वास्थ्य को फिर से जीवित करने के लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।
- अगर आप धूम्रपान करते हैं तो धूम्रपान छोड़ दें क्योंकि यह त्वचा के कोलेजन को नुकसान पहुँचाताहै।

6.

आपकी त्वचा को सुंदर और स्वस्थ रहने के लिए बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है इसलिए ऐसी जीवनशैली अपनाना आवश्यक है जो त्वचा के स्वास्थ्य का समर्थन करती हो।इसमें एक समर्पित स्किन केयर रूटीन शामिल है:

- अपनी त्वचा की जरूरतों को नजरअंदाज न करें उदाहरण के लिए शुष्क त्वचा को हाइड्रेशन की आवश्यकता होती है, तैलीय त्वचा को मैटिफाइंग उत्पादों का उपयोग करने की आवश्यकता होती है/ संवेदनशील त्वचा को ऐसे उत्पादों की आवश्यकता होती है जो कठोर रसायनों से मुक्त हों, जैसे आयुर्वेद आधारित स्किन केयर उत्पाद।
- याद रखें कि आप जो खाते हैं उसका आपकी त्वचा के स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव पड़ता है और आपअपनी त्वचा पर क्या लगाते हैं उसका भी यही असर होता है।समझदारी से चुनें कि आप अपनी त्वचा पर क्या लगाते हैं और क्या खाते हैं, चीनी युक्त भोजन और पेय आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाते हैं।
- बहुत अधिक तैलीय भोजन आपकी त्वचा और आंत के लिए हानिकारक है।
- आपकी आंत का स्वास्थ्य भी आवश्यक है इसलिए मैं आपके आहार में दही को शामिल करने का सुझाव देती हु।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोक प्रिय हैं

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

11 अगस्त से भावनगर टर्मिनस से अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी 03 अगस्त, 2025 को भावनगर टर्मिनस से भावनगर टर्मिनस-अयोध्या केंट एक्सप्रेस तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा-पुणे (हड़पसर) और जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस उद्घाटक ट्रेनों का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे।

यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम रेलवे के भावनगर टर्मिनस स्टेशन से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के लिए 11 अगस्त, 2025 से प्रति सोमवार भावनगर टर्मिनस और अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर-अयोध्या केंट एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन नंबर 19201/19202 भावनगर-अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 19201 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में, ट्रेन नंबर 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 12 अगस्त, 2025 (मंगलवार) को अयोध्या कैंट स्टेशन से रात्रि 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और गुरूवार को प्रातः 04.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाना, पालनपुर जंक्शन, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, किशनगढ़, जयपुर जंक्शन, गांधीनगर जयपुर, बाँदीकुई जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, ईदगाह, टूण्डला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ एवं बाराबंकी जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी के कोच होंगे।

ट्रेन नंबर 19201 की बुकिंग 03.08.2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अहमदाबाद मंडल के लोकोमोटिव शेड, साबरमती में मॉक ड्रिल का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर लोकोमोटिव शेड, साबरमती में एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इस मॉक ड्रिल के अंतर्गत सिविल डिफेंस टीम द्वारा एक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शेड के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में किए जाने वाले उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में घायलों को त्वरित सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

इस मॉक ड्रिल के दौरान आग पर नियंत्रण पाने का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें यह बताया गया कि ड्राय केमिकल पाउडर एवं उड$_2$ अग्निशमन यंत्र का उपयोग कर आग पर किस प्रकार नियंत्रण पाया जा सकता है।

इस मॉक ड्रिल में कुल 04 अधिकारी एवं 140 से अधिक कर्मचारी उपस्थित रहे। इस मोकड्रिल का उद्देश्य कर्मचारियों में आपदा प्रबंधन तथा अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस-ओखा के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा को मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और ओखा स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 09077/09078 बांद्रा टर्मिनस - ओखा स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09077 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.25 बजे अहमदाबाद एवं 16:45 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 और 17 अगस्त, 2025 को चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09078 ओखा-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार और मंगलवार को ओखा से 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और 17.05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी तथा अगले दिन 04:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 और 19 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, वांकानेर, राजकोट, जामनगर और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी - 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09077 एवं 09078 की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मनीला, फिलीपींस की यात्रा पर भारतीय नौसेना के जहाज, दक्षिण पूर्व एशिया में समुद्री सहयोग को मजबूत करेंगे

(जीएनएस)।

दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय नौसेना की चल रही परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में, पूर्वी बेड़े के भारतीय नौसेना जहाज आईएनएस दिल्ली, शक्ति और किल्टन मनीला, फिलीपींस पहुंचे। इन जहाजों की कमान पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग आरएडीएम सुशील मेनन के हाथों में है।

फिलीपींस की नौसेना के कर्मियों ने इन जहाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे भारत और फिलीपींस के बीच मजबूत और बढ़ते समुद्री संबंधों को बल मिला। यह यात्रा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने की भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रियर एडमिरल सुशील मेनन ने वहां पहुंचने पर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत की और स्थिरता एवं समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मित्र समुद्री बलों के बीच समझ, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने में ऐसी तैनाती के महत्व पर जोर दिया।

स्टार्टअप्स और इकोसिस्टम हितधारकों के बीच सहयोग को सुगम बनाता है भास्कर प्लेटफॉर्म

भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर) स्टार्टअप्स सहित उद्यमशीलता इकोसिस्टम के बीच सहयोग को सक्षम बनाती है। 30 जून, 2025 तक भास्कर पर 'स्टार्टअप' श्रेणी के अंतर्गत 1,97,932 संस्थाएं पंजीकृत हैं। राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वार विवरण अनुलग्नक-क के रूप में दिया गया है। भास्कर वर्तमान में पायलट चरण में है, जिसमें प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण किया जा रहा है। इसमें समकक्ष से समकक्ष परस्पर संपर्क, साझेदारी और सहयोगात्मक जुड़ाव, हितधारक श्रेणियों के लिए अनूठी व्यक्तिगत पहचान का निर्माण और स्टार्टअप इंडिया के तहत विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए माइक्रोसाइट्स का समेकन शामिल है। सरकार लघु और सूक्ष्म उद्यमों सहित प्रमुख उपयोगकर्ता हितधारकों की आवश्यकताओं और अनुभवों को समझने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में भास्कर के लिए विभिन्न लोकसंपर्क और जागरूकता कार्यक्रम चला रही है।

वडोदरा मंडल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025' के उपलक्ष्य में दिनांक 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक एक विशेष 'स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान, मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों में स्वच्छता जागरूकता और विशेष सफाई अभियान चलाए जाएंगे। अभियान की शुरूआत वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने सभी रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाकर की। श्री भडके ने रेलकर्मियों से हर वर्ष 100 घंटे यानी प्रति सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आ'ान किया, ताकि पूरे देश को स्वच्छ बनाने में मदद मिल सके।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मंडल क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित करना है, जिसमें विशेष रूप से रेलवे पटरियों और उनके आस-पास के क्षेत्रों से कचरा हटाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अहमदाबाद मंडल पर स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के अंतर्गत स्वछता अभियान का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह'2025 के अंतर्गत 1 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक 'स्वछता अभियान'का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत मंडल क्षेत्र में विभिन्न स्वच्छता जागरूकता और सफाई अभियान चलाए जाएंगे।

अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू मीणा ने रेल कर्मचारियों एवं अधिकारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने तथा अन्य व्यक्तियों को भी शपथ दिलाकर स्वच्छता के प्रतिजागरूक कर पूरे देश को स्वच्छ बनाने में मदद करने 'की शपथ दिलाई।

इस अभियान के तहत मण्डल पर स्वच्छता सुनिश्चित करने और रेल पटरियों तथा उसके आसपास से, कचरा हटाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भीड़भाड़ की स्थिति का सामना करने वाले 73 प्रमुख स्टेशनों पर एक स्टेशन निदेशक नियुक्त किया जाएगा

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए निम्नलिखित कार्य योजना बनाई है: -

73 चिन्हित स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्रों का निमार्ण:

2024 के त्यौहारी सीजन के दौरान, स्टेशनों के बाहर होल्डिंग एरिया बनाए गए थे। सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में ये प्रतीक्षालय बड़ी भीड़ को संभालने में सक्षम थे। यात्रियों को केवल तभी प्रवेश दिया जाता था जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आती थी।

महाकुंभ के दौरान प्रयाग क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर भी ऐसी ही व्यवस्था की गई थी।

इन स्टेशनों के अनुभव के आधार पर, देश भर के 73 स्टेशनों पर, जहाँ समय-समय पर भारी भीड़ होती है, स्टेशनों के बाहर स्थायी प्रतीक्षालय बनाने का निर्णय लिया गया है। प्रतीक्षालय के भीतर भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा। यात्रियों को केवल तभी प्लेटफार्म पर जाने की अनुमति होगी जब ट्रेनें प्लेटफार्म पर आएँगी। इससे प्लेटफार्म पर भीड़ कम होगी।

नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद स्टेशनों पर पायलट परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं।

प्रवेश नियंत्रण:

73 चिन्हित स्टेशनों पर पूर्ण प्रवेश नियंत्रण शुरू किया जाएगा।

कन्फर्म आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा।

बिना टिकट वाले या प्रतीक्षा सूची वाले यात्री बाहरी प्रतीक्षालय में प्रतीक्षा करेंगे।

सभी अनाधिकृत प्रवेश बिंदुओं को सील कर दिया जाएगा।

चौड़े फुट-ओवर-ब्रिज (एफओबी):

12 मीटर चौड़े (40 फीट) और 6 मीटर चौड़े (20 फीट) मानक चौड़े फुट- ओवर- ब्रिज एफओबी के दो नए डिजाइन विकसित किए गए हैं। रैंप युक्त ये चौड़े एफओबी महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बेहद कारगर रहे। ये नए मानक चौड़े एफओबी सभी स्टेशनों पर लगाए जाएँगे।

कैमरे:

महाकुंभ के दौरान कैमरों ने भीड़ प्रबंधन में बड़े पैमाने पर मदद की। रेलवे स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे रेलवे स्टेशनों पर भीड़ की कड़ी निगरानी और प्रबंधन में सहायक होंगे।

युद्ध कक्ष:

बड़े स्टेशनों पर वॉर रूम विकसित किए जाएंगे। भीड़भाड़ की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी वॉर रूम में काम करेंगे।

नई पीढ़ी के संचार उपकरण:

सभी अत्यधिक भीड़ वाले स्टेशनों पर वॉकी-टॉकी, उद्घोषणा प्रणाली, कॉलिंग सिस्टम जैसे नवीनतम डिजाइन के डिजिटल संचार उपकरण लगाए जाएंगे।

नये डिजाइन का आईडी कार्ड:

सभी कर्मचारियों और सेवाकर्मियों को नए डिजाइन का आईडी कार्ड दिया जाएगा ताकि केवल अधिकृत व्यक्ति ही स्टेशन में प्रवेश कर सकें।

8. कर्मचारियों के लिए नई डिजाइन की वर्दी:

सभी कर्मचारियों को नई डिजाइन की वर्दी दी जाएगी ताकि संकट की स्थिति में उनकी आसानी से पहचान की जा सके।

9. स्टेशन निदेशक पद का उन्नयन:

सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी स्टेशन निदेशक के रूप में कार्यरत होंगे। अन्य सभी विभाग स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करेंगे।

स्टेशन निदेशक को वित्तीय अधिकार दिए जाएँगे ताकि वे स्टेशन के सुधार के लिए तत्काल निर्णय ले सकें।

10. क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री:

स्टेशन निदेशक को स्टेशन और उपलब्ध ट्रेनों की क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार होगा।

इसके अलावा, स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :-

भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी/ राज्य पुलिस और संबंधित रेलवे विभागों के साथ समन्वय किया जाता है।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों को भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाता है।

भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने हेतु जीआरपी और आरपीएफ कर्मचारियों को फुट-ओवर ब्रिज पर तैनात किया जाता है।

भीड़ के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए खुफिया इकाइयों (अपराध खुफिया शाखा (सीआईबी)/ विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी)) और सादे कपड़ों में कर्मचारियों को तैनात किया गया है और तदनुसार जीआरपी/ पुलिस को शामिल करते हुए व्यवस्था की गई है।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के लिए उठाए गए कदम

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम घटक को 767 जिलों में कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी गई है

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तृतीयक देखभाल घटक के तहत, मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टसताओं में स्नातकोत्तर विभागों में छात्रों का प्रवेश बढ़ाने और तृतीयक स्तर की उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई

36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं आरंभ की हैं; हेल्पलाइन नंबर पर 23,82,000 से अधिक कॉलों का समाधान किया गया

(जीएनएस)।

सरकार देश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) का क्रियान्वयन कर रही है। एनएमएचपी के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) घटक को 767 जिलों में क्रियान्वयन हेतु स्वीकृत किया गया है, जिसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता प्रदान की जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्तर पर डीएमएचपी के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं में बा' रोगी सेवाएं, मूल्यांकन, परामर्श/मनो-सामाजिक युक्तियां, गंभीर मानसिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों की निरंतर देखभाल और सहायता, दवाइयां, आउटरीच सेवाएं, एम्बुलेंस सेवाएं आदि शामिल हैं।

उपरोक्त सेवाओं के अतिरिक्त, जिला स्तर पर 10 बिस्तरों वाली आंतरिक रोगी सुविधा केंद्र का प्रावधान है।

एनएमएचपी के तृतीयक देखभाल घटक के अंतर्गत, मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर विभागों में छात्रों की संख्या बढ़ाने और तृतीयक स्तर की उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टताओं में 47 स्नातकोत्तर विभागों को सुदृढ़ करने के लिए 19 सरकारी मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों को भी सहायता प्रदान की है।

भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में, 69 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को नैदानिक मनोविज्ञान में एम.फिल., व्यावसायिक डिप्लोमा, साइकोलॉजी में डॉक्टरेट (डॉक्टर ऑफ साइकोलॉजी) जैसे पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आरसीआई द्वारा अनुमोदित किया गया है और 9 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को पुनर्वास मनोविज्ञान में एम.फिल. (पुनर्वास मनोविज्ञान) जैसे पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आरसीआई द्वारा अनुमोदित किया गया है। परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 से नैदानिक मनोविज्ञान में दो और प्रोग्राम, अर्थात बी.एससी. (नैदानिक मनोविज्ञान) और एमए (नैदानिक मनोविज्ञान) भी आरंभ किए हैं।

सरकार डिजिटल अकादमियों के

माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सा और पैरा मेडिकल पेशेवरों की विभिन्न श्रेणियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके देश के वंचित क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए श्रमबल की उपलब्धता भी बढ़ा रही है।

मानसिक बीमारी के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए, समुदाय, स्कूलों, कार्यस्थलों में सामुदायिक भागीदारी के साथ सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप और जागरूकता सृजन कार्यकलाप एनएमएचपी के अभिन्न अंग हैं।

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत देश के 767 जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मानसिक बीमारियों का पता लगाना, उनका प्रबंधन करना और उनका उपचार करना है। इसके प्रमुख घटकों में स्कूलों और कॉलेजों में परामर्श, कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन, जीवन कौशल प्रशिक्षण, आत्महत्या रोकथाम सेवाएं और जागरूकता पैदा करने तथा मानसिक बीमारी से जुड़े कलंक को दूर करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप शामिल हैं।

सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी कदम उठा रही है। सरकार ने 1.77 लाख से अधिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अपग्रेड किया है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत सेवाओं के पैकेज में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है। आयुष्मान भारत के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मानसिक, तंत्रिका संबंधी और मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों (एमएनएस) पर विभिन्न संवर्गों के लिए संचालन संबंधी दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण नियमावली जारी की गई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुंच को और बेहतर बनाने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को एक "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" आरंभ किया है।

17 जुलाई, 2025 तक, 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की हैं। हेल्पलाइन नंबर पर 23,82,000 से अधिक शिकायत कॉलों का समाधान किया जा चुका है।

सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च किया है। टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकारों तक, सभी प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। सरकार ने पहले से विद्यमान ऑडियो कॉलिंग सुविधा के एक और अपग्रेड के रूप में, टेली-मानस के अंतर्गत वीडियो परामर्श सुविधा भी आरंभ की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

नमो ड्रोन दीदी योजना का ग्रामीण महिलाओं पर प्रभाव

(जीएनएस)।

नमो ड्रोन दीदी को सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करने के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में अनुमोदित किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि में उन्नत तकनीक को बढ़ावा देना, बेहतर दक्षता, बेहतर फसल उपज और प्रचालन लागत को कम करना और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन सेवा प्रदाता के रूप में सशक्त बनाना है ताकि उनकी आय बढ़े और उन्हें आजीविका सहायता प्रदान की जा सके। प्रमुख उर्वरक कंपनियों (एलएफसी) ने अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके वर्ष 2023-24 में स्वयं सहायता समूहों की ड्रोन दीदियों को 1094 ड्रोन वितरित किए हैं। इन 1094 ड्रोनों में से 500 ड्रोन नमो ड्रोन

दीदी योजना के तहत वितरित किए गए हैं। उर्वरक विभाग द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, एलएफसी द्वारा आपूर्ति किए गए ड्रोन का प्रयोग नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए किया जा रहा है और राज्यवार विवरण अनुबंध-क में दिए गए हैं।

एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर (एडीआरटीसी), बैंगलोर ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत एलएफसी द्वारा प्रदान किए गए इन 500 ड्रोनों पर ड्रोन संचालन की आर्थिक और व्यावसायिक व्यवहार्यता पर एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन से पता चलता है कि पहले स्वयं सहायता समूह मुख्य रूप से कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगे हुए थे और उन्हें प्रदान किए गए ड्रोन ने ड्रोन तकनीक के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों तक उनके दायरे का विस्तार किया है, जिससे उनकी दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, ड्रोन को अपनाने से स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों में विविधता आई है, कृषि पद्धतियों में सुधार हुआ है और ग्रामीण समुदायों में महिलाओं के लिए आय के अवसर बढ़े हैं।

भारत में एआई द्वारा 2.3 मिलियन से अधिक नौकरियों का सृजन संभव : स्टीफन एजेल

(जीएनएस)।

लखनऊ।फिक्की एफएलओ लखनऊ ने अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से आज लखनऊ के होटल रेनेसां में "एआई डीमिस्टीफाइडः व्हाट वी नीड टू नो इन 2025" शीर्षक से एक आकर्षक सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाशिंगटन डी.सी. स्थित सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार फाउंडेशन (आईटीआईएफ) के उपाध्यक्ष, स्टीफन एजेल ने उद्योगों, नवाचार और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर एक सम्मोहक व्याख्यान दिया। स्टीफन ने अपने संबोधन में कहा कि जैसे-जैसे एआई अधिक नौकरियों को स्वचालित कर रहा है, नौकरी विस्थापन और आर्थिक असमानता का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसके लिए पुनर्प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क जैसे सक्रिय उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता मानव कौशल और संज्ञानात्मक क्षमताओं को नष्ट कर सकती है, जिसके लिए आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान के लिए मानवीय क्षमता को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सुरक्षा विषय पर बोलते हुए कहा कि व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और एआई प्रणालियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोपरि है, जिसके लिए दुरुपयोग और उल्लंघनों को रोकने के लिए कड़े उपायों की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने बताया कि एआई 2030 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिवर्ष 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान कर सकता है।और आने वाले दो वर्षों में भारत मे रोजगार के क्षेत्र में 2.3 मिलियन से अधिक नई एआई-संचालित नौकरियां सृजित हो सकती हैं। इस सत्र ने एआई के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की कि कैसे एआई भविष्य को आकार दे रहा है और कैसे व्यक्ति और व्यवसाय इस उभरती हुई तकनीक को अपना सकते हैं। फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा गर्ग की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में लखनऊ चैप्टर की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल,सीनियर वाईस चेयर पर्सन सिमरन साहनी, देवांशी सेठ,ज्योत्सना हबीबुल्ला, विभा अग्रवाल, स्वाति वर्मा और वनिता यादव सहित बड़ी संख्या में फ्लो सदस्यों ने भाग लिया।

बकरी चोर गिरोह का खुलासा, एक गिरफ्तार, साथी फरार

(जीएनएस)।

बिजनौर।

स्वाट और थाना हल्दौर पुलिस ने बकरी चोरी के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद उसे घायल अवस्था में पकड़ा गया। उसके पास से एक अवैध तमंचा, कारतूस, ₹5,150 नकदी और घटना में प्रयुक्त होंडा अमेज कार बरामद की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति चांदपुर से मोहनपुर की ओर कार से आ रहा है। चेकिंग के दौरान जब पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो वह कार मोड़कर भागने लगा और पीछा करने पर पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शहजाद उर्फ काला निवासी मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। उसने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी अरशद के साथ पहले भी कई बार बकरी चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। बकरों को अफजाल कुरैशी नामक व्यक्ति को बेच दिया गया था।

शहजाद के खिलाफ मुजफ्फरनगर के विभिन्न थानों में चोरी, अवैध शस्त्र और फायरिंग समेत 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

15 जनवरी तक पूरी होगी अंतिम सूची की प्रक्रिया, अधिकारियों को सौंपे गए स्पष्ट निर्देश

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण-2025 की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार, सदर एसडीएम सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत और सहायक निर्वाचन अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान डीएम जसजीत कौर ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पुनरीक्षण कार्य 18 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है, जिसका अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2026 को प्रस्तावित है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, इसलिए पूर्ण निष्पक्षता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से इसे अंजाम दिया जाए।

डीएम ने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी स्तर पर त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए। उन्होंने बीएलओ की नियुक्ति को लेकर भी सख्त निर्देश दिए — एक मतदाता केंद्र पर केवल एक बीएलओ की तैनाती हो, और उस केंद्र पर 3000 से अधिक मतदाता न हों।

साथ ही, ग्राम पंचायतों में पम्पलेट, पोस्टर और प्रचार के माध्यम से आमजन को जागरूक करने के भी निर्देश दिए गए, जिससे ग्रामीण स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

होंडा मोटरसाइकल और स्कूटर इंडिया ने नई उइ125 हॉर्नेट और शाइन 100 ऊकी कीमतों का ऐलान किया,

1 अगस्त 2025: होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने नई उइ125 हॉर्नेट और शाइन 100 ऊ लॉन्च कर बाइक प्रेमियों को खुश कर दिया है। यूथ को ध्यान में रखते हुए उइ125 हॉर्नेट को स्टाइलिश लुक और दमदार परफॉर्मेंस के साथ पेश किया गया है झ जो कहती है ह्यप्रीं ङ्म४१ फ्र९ह्ल। वहीं शाइन 100 ऊ अब और बेहतर फीचर्स और प्रीमियम स्टाइलिंग के साथ आई है, जैसी ग्राहक उम्मीद करते हैं झ ह्यरङ्मं लंह्ल। उइ125 हॉर्नेट की शुरूआती कीमत ₹1,12,000 रखी गई है और शाइन 100 ऊ ₹74,959 में उपलब्ध है (एक्स-शोरूम गुरुग्राम)। ग्राहक इन्हें ऑनलाइन या नजदीकी होंडा डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं।

एचएमएसआई की दमदार टू-व्हीलर रेंज में हाल ही में शामिल हुए ये नए मॉडल भारतीय ग्राहकों के राइडिंग अनुभव को एक नया रूप देने के लिए तैयार हैं। होंडा उइ125 हॉर्नेट को खासतौर पर युवा और शहरी राइडर्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसका एग्रेसिव स्ट्रीट-स्टाइल लुक, मस्कुलर फ्यूल टैंक और शार्प श्राउड्स इसके डिजाइन को बोल्ड बनाते हैं। स्टाइलिश मफलर और चार आकर्षक कलर ऑप्शन्स झ पर्ल सायरन ब्लू विथ लेमन आइस यलो, पर्ल इग्नियस ब्लैक, पर्ल सायरन ब्लू विथ एथलेटिक ब्लू मेटैलिक, और पर्ल सायरन ब्लू विथ स्पोर्ट्स रेड झ इसकी रोड प्रेजेंस को और भी प्रभावशाली बनाते हैं।

मोटरसाइकिल की प्रीमियम अपील को इसके सेगमेंट में पहली बार दिए गए गोल्डन यूएसडी फ्रंट फोर्क्स और 5-स्टेप एडजस्टेबल मोनो-शॉक अब्जॉर्बर और बेहतर हैंडलिंग के साथ और भी बढ़ा दिया गया है। एडवांस फीचर्स से लैस उइ125 हॉर्नेट में ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम दिया गया है, जिसमें सिग्नेचर ट्विन-एलईडी हेडलैंप, डीआरएल्स और हाई-माउंटेड टर्न इंडिकेटर्स शामिल हैं। इसमें 4.2-इंच की टीएफटी डिस्प्ले भी मिलती है, जो ब्लूटूथ-इनेबल्ड लड्ढल्लीं फ्ङ्मरिटल्लू कनेक्टिविटी के साथ आती है, जिससे नेविगेशन, कॉल्स और एसएमएस अलर्ट्स का आसानी से उपयोग किया जा सकता है।

मोटरसाइकिल की अतिरिक्त विशेषताएँ जैसे कि एक यूनिवर्सल वरइ टाइप-उ चार्जिंग पोर्ट, साइड-स्टैंड इंडिकेटर जिसमें इंजन इनहिबिटर शामिल है, और सामने की तरफ लगा हुआ 240 मिमी पेटल डिस्क जो सिंगल-चैनल अइर के साथ आता है — ये सभी सुविधाएँ सुविधा और सुरक्षा दोनों को बढ़ाते हैं। नई उइ125

हॉर्नेट को 123.94, सिंगल-सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड, और डइऊ2इ कंप्लायंट इंजन से पावर मिलती है, जो 7500 फ्ढट पर 8.2 'ह की पावर और 6000 फ्ढट पर 11.2 ठे का पीक टॉर्क पैदा करता है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है। यह बाइक 0 से 60 ' / की रफ्तार सिर्फ 5.4 सेकंड में पकड़ सकती है, जिससे यह अपनी कैटेगरी की सबसे तेज मोटरसाइकिल बन जाती है।

होंडा शाइन 100 ऊ ह्यशाइनह्ल की आइकोनिक पहचान को आगे बढ़ाता है, और अब यह एक नया, प्रीमियम डिजाइन के साथ आता है जो रोजाना की राइडिंग के लिए एकदम परफेक्ट है। इसमें नया डिजाइन किया गया हेडलैम्प है जिसमें क्रोम फिनिश दी गई है, चौड़ा और शेप्ड फ्यूल टैंक, स्टाइलिश बॉडी ग्राफिक्स, और ऑल-ब्लैक इंजन और ग्रैब रेल के साथ क्रोम मफलर कवर शामिल है। इसकी लंबी सीट राइडर और पीछे बैठने वाले दोनों के लिए कंफर्टेबल है, जिससे ये डेली यूज के लिए एक बढ़िया बाइक बनती है।

ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, नई शाइन 100 ऊ में डिजिटल छउऊ इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जो रियल-टाइम माइलेज, डिस्टेंस-टू-एम्प्टी और सर्विस ड्यू रिमाइंडर जैसी जानकारी दिखाता है। यह बाइक चार शानदार कलर ऑप्शन्स में आती हैः पर्ल इग्नियस ब्लैक, इम्पीरियल रेड मेटैलिक, एथलेटिक ब्लू मेटैलिक, और जनी ग्रे मेटैलिक।

शाइन 100 डीएक्स के केंद्र में 98.98 सीसी का एकल-सिलेंडर, ईंधन इंजेक्टेड, ओबीडी2बी मानक के अनुरूप इंजन है, जिसमें होंडा की विश्वसनीय ईएसपी (एन्हांस्ड स्मार्ट पावर) तकनीक दी गई है। यह इंजन 7500 आरपीएम पर 5.43 किलोवॉट की शक्ति और 5000 आरपीएम पर 8.04 न्यूटन मीटर का अधिकतम टॉर्क उत्पन्न करता है। यह इंजन चार-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इस मोटरसाइकिल में टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, पीछे की ओर पांच चरणों में समायोजित किए जा सकने वाले झटकेरोधी उपकरण, ड्रम ब्रेक्स के साथ होंडा की सम्मिलित ब्रेकिंग प्रणाली और अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस दी गई है, जिससे विभिन्न भारतीय सड़क परिस्थितियों में आत्मविश्वासपूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित होता है।

नई होंडा उइ125 हॉर्नेट को सीमित अवधि के प्रारंभिक मूल्य ₹1,12,000 में लॉन्च किया गया है, जबकि शाइन 100 ऊ की कीमत ₹74,959 रखी गई है। ये सभी कीमतें गुरुग्राम (हरियाणा) के एक्स-शोरूम मूल्यों पर आधारित हैं। इन दोनों मोटरसाइकलों की बुकिंग अब आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है। ग्राहक इन नई मोटरसाइकलों की बुकिंग होंडा की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन या फिर अपने नजदीकी होंडा अधिकृत डीलरशिप पर जाकर ऑफलाइन कर सकते हैं। इनकी डिलीवरी अगस्त 2025 के मध्य से चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी, जो देशभर के होंडा राइडर्स के लिए एक रोमांचक नए सफर की शुरूआत का संकेत है।

सुखनदान सजायेगा सूफी महफिल

लखनऊः 01 अगस्त,।

गीत- संगीत , तबले की थाप पर कथक के घुँघरू की आवाज पर वाह वाह करने वाले कला के कदरदानो को मिलेगा आनन्द सुफी संगीत को सुनने का

सुखनदान फाउण्डेशन के फाउण्डर / चेयरमैन नदीम फरुख ने प्रेस क्लब मे आयोजित प्रेस वार्ता मे यह बात कही। सुखनदान के नेशनल प्रेसीडेंट कल्चरल विंग मोहम्मद अली साहिल ने जानकारी देते हुए कहा उनकी संस्था स्वतंत्रता दिवस के 78वें वर्ष के स्वतंत्रता दिवस को अगस्त माह भर मनाने का संकल्प लिया है जिसका प्रारम्भ प्रेस वार्ता के जरिए किया जा रहा है।स्वतंत्रता दिवस के माह अगस्त मे विभिन्न

सांस्कृतिक, साहित्यिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन जश्न ए हिन्दुस्तान के नाम से होगे। ग्रैंड म्यूजिकल नाईट का पोस्टर लांच करते हुए बताया कि सुप्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय सूफी युवाओ गायक रईस अनीस साबरी 26 अगस्त को सूफी गीतो से अवध की शाम सजायेगे जो जश्न ए हिन्दुस्तान का सबसे बडा और आयोजन है । जिसके टिकट बुक माई शो से बुक कर सकते है। मो जुबेर , पत्रकार सुशील दुबे , मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब की मंजू श्रीवास्तव,बिलाल सहारनपुरी ,मो आसिफ सभी ने इस आयोजन के लिए स्थानीय जन-मानस से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसको अविस्मरणीय व ऐतिहासिक बनाये जाने की अपील की गयी। अन्य आयोजनो मे वृक्षारोपण, मेडिकल कैम्प, कविसम्मेलन, मुशायरे , कव्वाली के आयोजनो को सफल बनाने के लिए सहयोग और साथ मांगा । पोस्टर लांचिंग के साथ ही कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी गई। मंच संचालन सरला शर्मा ने किया पोस्टर लांचिंग मे मो अहसन, कुदरत उल्ला, जुबैर अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सास-बहु के रिश्तों पर मंथन की जरूरत

(सच्ची घटना पर आधारित एक भावनात्मक कहानी)

अयोध्या की गर्मियों वाली दोपहरी थी। सड़क किनारे एक बूढ़ी औरत को बेबस हालत में पड़े देख कर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी, किसी ने विडियो बना डाला। जल्द ही पता चला कि यह महिला कैंसर से पीड़ित है और उसे उसकी ही बहू ने ई-रिक्शा से यहाँ फेंक दिया। यह खबर अगले दिन अखबारों में आई ।

यह घटना समाज के उस पहलू को उजागर कर रही थी, जहाँ परिवार का मतलब सिर्फ बोझ उठाने और छोड़ देने तक सीमित रह गया है। रिश्ते अब त्याग और सेवा की बजाय स्वार्थ और सुविधा के तराजू पर तोले जा रहे हैं।

लेकिन क्या हर सास-बहू का रिश्ता ऐसा ही होता है? नहीं ।

इसी समाज में एक और कहानी भी है — स्वाती सिंह की।

स्वाती, एक साधारण मध्यम वर्गीय परिवार की बहू, अपने सास के लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं रही । जब उसकी सास को कैंसर हुआ, तो परिवार हिल गया। इलाज महंगा था, संसाधन सीमित थे, लेकिन स्वाती ने हार नहीं मानी।

उसने दिन-रात अस्पतालों के चक्कर काटे, और साबित किया कि "बुजुर्ग बोझ नहीं, आशीर्वाद होते हैं।"

स्वाती की सास का कहना है कि उनकी बहु, बेटी से बढ़कर है और अगर सबकी बहुएं ऐसी हो जाएँ, तो सासों की उम्र बढ़ जाए।"

आज वो सास पूरी तरह स्वस्थ हैं और घर में सबके साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं।

स्वाती की कहानी हमें बताती है कि समस्या बहुओं में नहीं, सोच में है। जब समाज एक घटना को देखकर सभी बहुओं को कठघरे में खड़ा करता है, तब वह उन लाखों स्वातियों के त्याग को नजरअंदाज कर देता है जो परिवार की रीढ़ हैं।

यह कहानी केवल स्वाती की नहीं, हर उस बहू की है जो नारीत्व की गरिमा को अपने कर्मों से ऊँचा कर रही है। सास-बहू का रिश्ता अगर समझदारी और संवेदना से निभाया जाए,तो घर सिर्फ चार दीवारी नहीं, मंदिर बन जाता है ।

उर्मिला सिंह -5, शंकरपुरी कॉलोनी, फूलबाग, हुसैनगंज, लखनऊ

सड़क हादसा: अज्ञात बाइक ने दो कांवड़ियों को मारी टक्कर

(जीएनएस)।

बिजनौर।

हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे दो कांवड़ियों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव मनोहरवाली के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद जनपद के थाना डिलारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धारा नंगला निवासी सुमित (20 वर्ष) पुत्र चुन्ना और सतवीर (19 वर्ष) पुत्र प्रेम सिंह पैदल कांवड़ लेकर अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे मनोहरवाली कट के पास पहुंचे, एक तेज रफ्तार अज्ञात बाइक सवार ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने सुमित को मृत घोषित कर दिया। जबकि सतवीर की स्थिति गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

सीओ अफजलगढ़ राजेश कुमार सोलंकी ने बताया कि मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, मृतक सुमित के भाई बलवंत सिंह की ओर से अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निवेशकों की ओर से मांग मजबूत रहने के कारण सोने ने तेजी पकड़ी

लखनऊ,1 अगस्त 2025 : वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा 2025 की दूसरी तिमाही के लिए जारी की गई गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट में सामने आया है कि सोने की त्रैमासिक मांग (ओटीसी सहित) 1,249 टन तक पहुँच गई, जो उच्च मूल्य के वातावरण में भी साल-दर-साल 3 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करती है। सोने में मजबूत निवेश से त्रैमासिक वृद्धि में मदद मिली, क्योंकि लगातार अस्थिर होते भू-राजनीतिक वातावरण और बढ़ते मूल्यों ने मांग को बनाकर रखा।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश ने कुल मांग की गति बनाकर रखी। इस तिमाही में 170 टन का इनफ्लो रहा, जबकि 2024 की दूसरी तिमाही में मामूली आउटफ्लो हुआ था। एशिया में सूचीबद्ध फंडों ने यूएस फ्लो के साथ तालमेल बनाए रखते हुए इसमें 70 टन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। पहली तिमाही में इनफ्लो रिकॉर्ड स्तर पर था, जिससे विश्व में गोल्ड ईटीएफ की मांग 397 टन तक पहुँच गई, जो 2020 के बाद अब तक पहली छमाही की सर्वाधिक मांग है।

बार और सिक्कों में निवेश में साल-दर-साल 11% की वृद्धि हुई और यह 307 टन तक पहुँच गया। इसमें चीनी निवेशकों का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने साल-दर-साल 44% की वृद्धि के साथ 115 टन सोने में निवेश किया। वहीं भारतीय निवेशकों ने लगातार अपनी होल्डिंग्स बढ़ाईं और दूसरी तिमाही में कुल 46 टन सोने में निवेश किया। पश्चिमी बाजारों में भी अलग-अलग रुझान देखने को मिले। दूसरी तिमाही में यूरोप द्वारा शुद्ध निवेश में दोगुने से भी अधिक वृद्धि दर्ज हुई और यहाँ 28 टन सोने में निवेश किया गया। वहीं अमेरिका में बार और सिक्कों की माँग गिरकर आधी रह गई और 9 टन तक पहुँच गई।

WORLD GOLD COUNCIL

केंद्रीय बैंक लगातार खरीदारी करते रहे, हालांकि इसकी गति धीमी रही। 2025 की दूसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों ने 166 टन सोना खरीदा। धीमी गति के बाद भी मौजूदा आर्थिक और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण केंद्रीय बैंकों ने काफी अधिक सोना खरीदा। हमारे वार्षिक केंद्रीय बैंक सर्वे में सामने आया कि 95% रिजर्व मैनेजर्स मानते हैं अगले 12 महीनों में विश्व में केंद्रीय बैंकों का गोल्ड रिजर्व बढ़ेगा।

ज्वेलरी की मांग में लगातार गिरावट बनी रही। खपत की मात्रा में 14% की कमी दर्ज हुई, जो साल 2020 में कोविड महामारी के दौरान दर्ज किए गए निचले स्तर के करीब रही। ज्वेलरी की मांग साल-दर-साल चीन में 20% और भारत में 17% कम हुई। पर अगर मूल्य की दृष्टि से देखा जाए, तो विश्व में ज्वेलरी का बाजार बढ़कर कुल 36 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।

सोने की कुल सप्लाई 3% बढ़कर 1,249 टन तक पहुँच गई। खदान में सोने के उत्पादन ने मामूली बढ़त के साथ दूसरी तिमाही का नया रिकॉर्ड बना दिया। रिसाइक्लिंग साल-दर-साल 4% बढ़ी, लेकिन ऊँचे मूल्यों के बीच अपेक्षाकृत कम रही।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के सीनियर मार्केट एनालिस्ट, लुईस स्ट्रीट ने कहाः

ह्वव्यापारिक तनाव, अमेरिका में अप्रत्याशित नीतिगत बदलावों और लगातार भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण इस वर्ष की शुरूआत में विश्व के बाजारों में उतार-चढ़ाव बना रहा। 2025 की पहली छमाही में सोने में हुए मजबूत निवेश से आर्थिक और भू-राजनीतिक अस्थिरताओं के बीच सुरक्षित बने रहने के लिए सोने का महत्व प्रदर्शित होता है। बाजार की मौजूदा अस्थिरता और पिछले कुछ महीनों में सोने के बढ़ते मूल्यों ने निवेश को बढ़ाया है, जिससे पूरे विश्व के निवेशकों ने अपना पैसा सोने में लगाया ।ह्व

ह्लसाल की पहली छमाही में सोने का मूल्य डॉलर के लिहाज से 26% बढ़ा। यह वृद्धि कई बड़े एसेट वर्गों से बेहतर थी। साल की इतनी अच्छी शुरूआत के बाद यह संभव है कि 2025 की दूसरी छमाही में सोने का कारोबार अपेक्षाकृत सीमित हो ।ह्व

दूसरी ओर, व्यापक आर्थिक वातावरण बेहद अप्रत्याशित बना हुआ है, जिससे सोने के मूल्य में मदद मिल सकती है। विश्व की आर्थिक या भू-राजनीतिक परिस्थितियों में कोई भी अनिश्चितता सुरक्षित निवेश के रूप में निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित कर सकती है, जिससे सोने की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं ।ह्व

मेटल्स फोकस द्वारा उपलब्ध कराए गए विस्तृत आंकड़ों के साथ गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स द2 2025 रिपोर्ट यहाँ देखें।